ANOOPLAL YADAV MAHAVIDYALAYA, TRIVENIGANJ

Report on- Departmental Seminar

Name of the Event	Seminar on the topic :- " **Origin of Philosophy** "
Date of the Event	05.05.2023
Venue of the Event	College Conference Hall
Organized By	Department Of Philosophy
No of Participant	50
Resource Persons	Not Applicable
Transcript of M.O.M. in English	**Department of Philosophy** Today on dated 05.05.2023 on the recommendation IQA Cell a workshop is organised by the Department of Philosophy in conference Hall of Anooplal Yadav Mahavidyalaya, Triveniganj (Supaul) under the chairmanship of Prof. Suresh Kumar Roy, H.O.D. Philosophy. Topic :- "Origin of Philosophy"

सूचना

दर्शनशास्त्र विभाग स्नातक पार्ट -1 (प्रतिष्ठा), सत्र 2022-23 के सभी छात्र/छात्राओं को सूचित किया जाता है कि दिनांक- 05.05.2023 रोज शुक्रवार को दिन के 11.00 बजे पूर्वाह्न महाविद्यालय के सभागार में कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा | आप सभी छात्र/छात्राओं की उपस्थिति आवश्यक है। सभी छात्र/छात्रा अपना मोबाईल न० , आधार कार्ड, नामांकन रसीद तथा पैन कार्ड की छायाप्रति साथ लाएंगे।

18/4/23

विभागाध्यक्ष

दर्शनशास्त्र विभाग
अनुपलाल यादव महाविद्यालय

त्रिवेणीगंज सुपौल बिहार

NOTICE OF THE EVENT

बैठक सं० – 13

Page No. 35

Date

आज दिनांक 05.05.023 रोज शुक्रवार को दर्शनशास्त्र विभाग का कार्यशाला महाविद्यालय के सभागार में प्रो० सुरेश कुमार राय की (विभागाध्यक्ष दर्शनशास्त्र) की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। जिसमें "Studends - teacher meet togather for skill enlargement of students" विषय पर विस्तार से चर्चा की गई। जिसमें निम्नलिखित प्राध्यापक गण एवं छात्र/छात्राएँ उपस्थित हुए।

Topic – "Origin of philosophy"

(signature) 05.05.023 — प्राचार्य, अनूपलाल यादव महाविद्यालय, त्रिवेणीगंज

PRINCIPAL, ANOOPLAL YADAV MAHAVIDYALAYA, Triveniganj, Supaul (Bihar)

(signature) 05.05.023 — Co-ordinator, I.Q.A.C, A.L.Y.C Triveniganj

(signature) 5/5/23 — अध्यक्ष, विभागाध्यक्ष दर्शनशास्त्र विभाग, अनूपलाल यादव महाविद्यालय, त्रिवेणीगंज

प्राध्यापक गण

1 अरविन्द कुमार

2 मेहरा कुमार

3 जगदेव कुमार

4 Soonu Snehil (Computer Diploma, ALY College)

5 Vidyanand yadav - SNK.

6 Arvind kr Roy — R. Eco

7 Ramendra yadav — Bot.

8 S.N. Yadav — Bot

9 Arun Kumar — Eco

10 महेश कुमार शर्मा — Mai

11 कमलाकांत यादव — Mai

12 Surendra pd. yadav — AIH

13 Dr. Sudit Narayan yadav - phy

14 Dr. Sadanand yadav - Phy

15 Dr. Hemant kumar — Soc

M. O. M. & ATTENDANCE OF THE EVENT

Page No. 36
Date

छात्र/छात्राएं

1		
2	प्रिया कुमारी	Roll No 615
3	कंचन कुमारी	Roll No 637
4	आरती कुमारी	Roll no - 806
5	सोनिता कुमारी	Salite-714
6	लवली कुमारी	— Roll no — 966
7	रूबी कुमारी	— Roll no - 199
8	सविता कुमारी	Roll No - 677
9	रानी कुमारी	- Roll No = 656 Mob No - 8826734682
10	खुशी कुमारी	— Roll no: 143
11	राजेश कुमार	
12	सचिन कुमार	
13	संतोष कुमार	
14	मीना कुमारी	
15	इन्द्रजीत कुमार	Roll no = 970
16	दीपक कुमार	
17	प्रवीन कुमार	
18	सुनील कुमार	Roll No 686
19	प्रमोद कुमार	Roll No. 874
20	[illegible] कुमारी	Roll No -
21	सुधीर कुमार	Roll no -
22	मन्नु कुमार	Roll No - 760
23	अंजीत कुमार	Roll no - 860
24	काजल कुमारी	Roll no - 916
25	पंकज कुमार	Roll no — 978
26	नीरज कुमार	Roll. no. 983
27	Chandan Kumar	
28	omprakash Kumar -	
29	Sanjay Kumar.	Roll No — 873
30	Dilkhush Kumar -	Roll No - 648
31	मिथिलेश कुमार	Roll No - 613

STUDENT ATTENDANCE OF THE EVENT

GEO-TAG PHOTO OF THE EVENT

PHOTOGRAPH OF THE EVENT

Ref. .... Date ....

हिन्दुस्तान भागलपुर, शनिवार, 6 मई 2023 07

दर्शन विद्या से सत्य और ज्ञान की होती है खोज

- एएलवाई कॉलेज में दर्शन शास्त्र विषय पर हुआ कार्यशाला का आयोजन
- दर्शन तर्कपूर्ण, विधि पूर्वक और क्रमबद्ध विचार की कला

त्रिवेणीगंज, निज संवाददाता। एएलवाई कॉलेज में शुक्रवार को दर्शन शास्त्र विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता दर्शन शास्त्र विषय के विभागाध्यक्ष प्रो. सुरेश कुमार राय ने की।

उन्होंने बताया कि दर्शन उस विद्या का नाम है जो सत्य और ज्ञान की खोज करता है। व्यापक अर्थ में दर्शन तर्कपूर्ण, विधि पूर्वक और क्रमबद्ध विचार की कला है। इसका जन्म अनुभव और परिस्थिति के अनुसार होता है। यही कारण है कि संसार के विभिन्न व्यक्तियों ने समय-समय पर अपने-अपने अनुभवों और परिस्थितियों के अनुसार भिन्न भिन्न प्रकार के जीवन दर्शन को अपनाया। भारतीय दर्शन का इतिहास अत्यंत पुराना है। यह पीढ़ी दर पीढ़ी अर्जित दर्शन है जिसकी जड़ तक जाना असंभव है। हिन्दू धर्म में दर्शन अत्यंत प्राचीन परंपरा रही है। वैदिक दर्शन में षड्दर्शन अधिक प्रसिद्ध है। यह सांख्य दर्शन, योग दर्शन, न्याय दर्शन, वैशेषिक दर्शन, मीमांसा दर्शन और वेदांत दर्शन के नाम से प्रसिद्ध है। मानव जीवन के लिए दर्शन अत्यंत महत्वपूर्ण विषय है। मौके पर दर्शन शास्त्र के प्राध्यापक प्रो. महेश कुमार, प्रो. अरविंद कुमार और प्रो. जगदेव कुमार, प्राचार्य डॉ. जयदेव प्रसाद यादव, प्रो. विद्यानंद यादव आदि मौजूद थे।

13.06.023

Principal
Anoop Lal Yadav Mahavidyalaya
Triveniganj, Supaul (Bihar)

NEWSPAPER RELEASE OF THE EVENT

A.L.Y. MAHAVIDYALAYA TRIVENIGANJ

Distt.- Supaul (Bihar) PIN- 852139

Regd. U.G.C. Under Section 2 (f) & 12 (B) act. 1956

Permanent Affiliated unit of B.N. Mandal University, Madhepura (Bihar)

COMMUNITY COLLEGE

[ISO9001:2015CERTIFIED]

Principal

[redacted] [redacted]

Mob.- 9939257785, 9431204188 ✱ Tel./Fax: 06477-220940 ✱ Website- www.alycollege.com ✱ E-mail- aly.college79@gmail.com

Ref. .... Date ....

दैनिक भास्कर भागलपुर | शनिवार, 6 मई, 2023 | 17

एक दिवसीय कार्यशाला हुई, कहा- दर्शनशास्त्र उस विद्या का नाम, जो सत्य व ज्ञान की करता है खोज

भास्कर न्यूज़ | त्रिवेणीगंज

कार्यशाला में उपस्थित छात्र-छात्राएं।

अनुमंडल मुख्यालय स्थित एएलवाई कॉलेज सभागार में शुक्रवार को दर्शनशास्त्र विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता दर्शनशास्त्र विषय के विभागाध्यक्ष प्रो.सुरेश कुमार राय ने की। उनके द्वारा कार्यशाला का मुख्य विषय शिक्षण कौशल रखा गया। जिसका, मुख्य उद्देश्य प्राध्यापकों और छात्र-छात्राओं के बीच समन्वय स्थापित कर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को उजागर करना था।

प्रो.सुरेश कुमार राय ने बताया कि दर्शनशास्त्र उस विद्या का नाम है जो सत्य एवं ज्ञान का खोज करता है। व्यापक अर्थ में दर्शन तर्कपूर्ण, विधि पूर्वक एवं क्रमबद्ध विचार की कला है। इसका जन्म अनुभव एवं परिस्थिति के अनुसार होता है। यही कारण है कि संसार के विभिन्न व्यक्तियों ने समय-समय पर अपने अपने अनुभवों एवं परिस्थितियों के अनुसार भिन्न भिन्न प्रकार के जीवन दर्शन को अपनाया।भारतीय दर्शन का इतिहास अत्यंत पुराना है। यह पीढ़ी दर पीढ़ी अर्जित दर्शन है जिसकी, जड़ तक जाना असंभव है। हिंदू धर्म में दर्शन अत्यंत प्राचीन परंपरा रही है। वैदिक दर्शन में षड्दर्शन अधिक प्रसिद्ध है। यह सांख्य दर्शन, योग दर्शन, न्याय दर्शन, वैशेषिक दर्शन, मीमांसा दर्शन और वेदांत दर्शन के नाम से प्रसिद्ध है।मानव जीवन के लिए दर्शन अत्यंत महत्वपूर्ण विषय है।दर्शन शास्त्र के प्राध्यापक प्रो.महेश कुमार, प्रो. अरविंद कुमार,प्रो.जगदेव कुमार ने बताया कि अनुमान से कुछ बताने या सोचने विचार करने, बहुत विचार करने को फिलॉस्फी कहते हैं।दर्शन मुख्यत दो प्रकार के होते हैं भारतीय दर्शन और पाश्चात्य दर्शन। शंकराचार्य भारतीय दर्शन के एक प्रसिद्ध दार्शनिक थे। वे अद्वैत वेदांत दर्शन शास्त्र के प्रमुख प्रतिपादक थे।प्राचार्य डॉ.जयदेव प्रसाद यादव द्वारा छात्र-छात्राओं को अच्छी शिक्षा ग्रहण के उपाय पर प्रकाश डालते हुए महाविद्यालय के विधि-व्यवस्था एवं विभिन्न संरचना से अवगत कराया गया तथा नियमित महाविद्यालय आने के लिए प्रेरित किया गया। दर्शन के बारे में उन्होंने बताये कि दर्शनशास्त्र पर प्रयोग सर्वप्रथम पाइथागोरस ने लिखित रूप में किया था।

विशिष्ट अनुशासन और विज्ञान के रूप में दर्शन को प्लेटो ने विकसित किया था।दर्शन को परिभाषित करना स्वयं ही एक दार्शनिक प्रश्न है। प्रो.विद्यानंद यादव ने बताया भारतीय दर्शन को चार भागों बांटा गया है- आस्तिक दर्शन, नास्तिक दर्शन, ईश्वर वादी दर्शन और अनीश्वर वादी दर्शन। महर्षि पतंजलि का योग दर्शन संपूर्ण विश्व में प्रसिद्ध है जो मानव को स्वास्थ्य के साथ मोक्षत्व की प्राप्ति करवाता है। कार्यशाला में महाविद्यालय के प्राध्यापक प्रो. विद्यानंद यादव, सोनू स्नेहिल तथा अन्य एवं शिक्षकेतर कर्मचारी गण सुरेंद्र कुमार, भूषण कुमार, गगन कुमार, दिग्दर्शन, प्रभात कुमार मौजूद थे।

3.06.023

Principal
Anoop Lal Yadav Mahavidyalaya
Triveniganj, Supaul (Bihar)

NEWSPAPER RELEASE OF THE EVENT

Full signature of IQAC Coordinator

Important:

This report should also be accompanied with the following documents:

1. Notice of the Event
2. M.O.M. of the Program
3. Original Attendance Record
4. Geo-tagged and Non Geo-tagged Photographs of the Events
5. Copy of Newspaper Release